ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS
321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785

What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 44 **11/2022-23** **MONTHLY** **November 2022**

On this auspicious festival of lights, May the glow of joy, prosperity, and happiness Illuminate your life and your home.

Wishing everyone a Happy Diwali and a Prosperous New Year!

Annual General Meeting

Sunday 6th November 2022

11am - 12pm – Havan

12pm – Meeting followed by Rishi Langar

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

E-mail enquiries@arya-samaj.org **Website www.arya-samaj.org**

Charity registration number 115678

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
Can clouds die forever? Can our ego and desires die forever? - Vimal Wadhawan Yogachary	4
स्वामी श्रद्धानन्द जी के साहसिक- कार्य - प्रमाण - आचार्य डॉ. उमेश यादव	6
Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands	11
Accounts – 2021 - 2022	12
Children's Corner - The Blue Jackal	14
Gayatri Mantra	16
News (पारिवारिक समाचार)	17
Emerency Funding for Tower	19
Members who pay donations by standing order	20
Weekly services details	21
We need more of our members to donate monthly/yearly	23
Your Arya Samaj is here to help you in "Your Hour of Need"	24
Food/Cash Collection	25

NEW HOURS

For General and Matrimonial Enquiries Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday – 12. 30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 10.30am to 4.30pm.
Thursday – 2.30pm – 8.30pm
Bank Holidays – Closed
Tel. 0121 359 7727

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727
Charity registration number
1156785
E-mail
enquiries@arya-samaj.org
Website
www.arya-samaj.org
facebook
https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/

10 Principles of Arya Samaj

1. **God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means. (At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**

2. **God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**

3. **Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**

4. **All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**

5. **All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**

6. **The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**

7. **All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**

8. **We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**

9. **One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**

10. **In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

Can clouds die forever?
Can our ego and desires die forever?

Atishtthanteenam aniveshanaanaam kaashthaanaam madhye nihitam shareeram. Vritrasya ninyam vi charantyaapo deergham tama aashayad indrashatruh.

Rigveda 1.32.10

अतिष्ठन्तीनामनिवेशनानां काष्ष्ठानां मध्ये निहितं शरीरम्।वृत्रस्य निण्यं वि चरन्त्यापो दीर्घं तम आशयदिन्द्र शत्रुः।। ऋग्वेद १.३२.१०

(Atishtthanteenam) Always moving

(aniveshanaanaam) never established

(kaashthaanaam) in all directions

(madhye) in center

(nihitam) established

(shareeram) in bodies

(Vritrasya) clouds, ego, desires

(ninyam) hidden

(vi charanti) move specially

(aapah) waters, people doing various acts

(deergham tamah) huge darkness

(aashayat) established, sleeps

(indra shatruh) enemy of sun, controller of senses.

Elucidation

Can clouds die forever?

Scientifically - Clouds are always moving in all directions, never established. Even after being destroyed, they remain hidden in the form of body of this earth and move specially in the form of waters.

They sleep in complete darkness but certainly they are the enemy of Sun. Clouds will keep on emerging till the continuation of this universe.

Spiritually - Our ego and desires also make us move in life. Even after suppression, they remain hidden in all people engaged in various activities till the continuation of our karma bank.

Practical Utility in life

Can our ego and desires die forever?

We have been given this life only for performing some duties. Ego and desires remain hidden in our active life. Existence of ego and desires is till the end of our karma bank i.e., till the neutralisation of karma or salvation from karma. Therefore, ego and desires, of course, cannot die forever, but must be kept under suppression and energies should be focussed on spiritual growth.

By Vimal Wadhawan Yogachary –

Advocate, Supreme Court of Bharat

स्वामी श्रद्धानन्द जी के साहसिक- कार्य - प्रमाण

आचार्य डॉ. उमेश यादव

१. "सन् १९२६ के अन्त में काँग्रेस का अधिवेशन गोहाटी में होने जा रहा था । स्वामी श्री श्रद्धानन्द जी ने अपनी मृत्यु से एक दिन पूर्व अपनी शुभकामना के रुप में गोहाटी को निम्न तार भेजा था-
"इन हिन्दु-मुस्लिम यूनिटि एलोन लाइज इण्डिया' ज् साल्वेशन."
अर्थात् भारत के स्वाधीन होने की आशा केवल हिन्दु-मुस्लिम एकता पर ही निर्भर है । भा. स्वा. सं. का इतिहास पृ.२५० लेखक-पं. इन्द्र विद्यावाचस्पति

उपरोक्त प्रमाण से स्पष्ट होता है कि स्वामी श्रद्धानन्द ने मुसलमानों का बुरा कभी नहीं सोचा, उन्होंने हमेशा चाहा कि दोनों को स्वेच्छा से जीने का अधिकार मिले । आपस में प्रेम हो और दोनों समानरुप से स्वदेश के लिये अपना भाव रखें और मिलकर अपने देश के लिये लड़ें । पर उधर काँग्रेसी छूट भैयों के साथ म. गाँधी अलग गोटी खेलते रहे । मुसमानों के पक्ष में अधिक बोलने के कारण हिन्दुओं का नुकशान होता रहा और इस कारण हिन्दु-मुस्लिम की एकता न बनी । गाँधी मुस्लिम के मेल की नदी बहाते रहे पर हिन्दुओं के नुकशान का कुआँ ही क्यों न खुद जाये; बस ऐसा ही कार्य कर जनसमुदाय के साथ व भावी भारत के साथ भी अन्याय ही करते रहे । यही कारण था कि जामा मस्जीद से गाँधी बोलने के लिये तरसते ही रहे पर दोनों पक्षों के प्रति समान भाव रखने वाले आर्य सेनानी वीर पुरुष स्वामी श्रद्धानन्द को ही यह सौभाग्य प्राप्त हो सका था । मुझे ऐसा लिखते हुये दु:ख हो रहा है कि गाँधी जी के इस तरह के अपरिपक्व विचार से काँग्रेस नीति जो आगे बढ़ी , उससे आज तक भी हिन्दु-मुस्लिम की खाई भरी नहीं जा सकी ।

२. सन् १९२३ ई. में जब कोकनाडा में काँगेस का अधिवेशन हुआ तो एक अलिबन्धु के , " हरिजनों को हिन्दु तथा मुसलमान आधा-आधा क्यों न बाँट लें" इस कथन को सुनकर स्वामी श्रद्धानन्द ने गरजते हुये कहा था, " ये कोई भेड़ बकरियाँ नहीं हैं जो इन्हें आधा बाँटने पर तुले हो ।"

सच में स्वामी श्रद्धानन्द का हर वर्ग के प्रति जो अगाढ़ प्रेम था और सबको समान अधिकार और प्यारा मिले; इसके लिये उनके उपरोक्त उदार विचार से अच्छा और कुछ नहीं हो सकता । अगर किसी कारण वह प्रस्ताव पास हो जाता तो आप कल्पना करें कि आज भारत में हरिजन वर्ग का क्या हाल होता । यहाँ तक कि उन्हीं दिनों काँग्रेस के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अली का एक भाषण अखबारों में छपा जो उन्होंने अपने मुसलमान भाइयों में दिया था-" मैं एक फाजिर(व्यभिचारी) और फासिद(दुश्चरित्र) मुसलमान को भी महात्मा गाँधी से अच्छा मानता हूँ ।" इस समाचार से पंजाब के हिन्दुओं में बौखलाहट बढ़ी जो स्वाभाविक था । म. गाँधी एक हिन्दु थे तो इससे हिन्दुओं में क्रोध आना उचित था पर इस विषय को सभा के बहस में लाया गया तो अन्तत: मौलाना यद्यपि अड़ा रहा कि मैंने ठीक कहा है पर उहापोह करते-कराते गाँधी जी ने इसे प्रस्तावित नहीं होने दिया । ऐसा कहकर टाल दिया कि यह गाली तो मेरे लिये है और मैं इसे नहीं लगाता । एक पुस्तक " मेरी कौन सुनेगा" लेखक महावीर त्यागी पृ.१७-२० को पढ़ने से पता चलता है कि इस विषय को गाँधी सामना न कर सके । लेखक और गाँधी जी की बार्ता समझें- " गाँधी जी - तुम्हें (श्री महावीर त्यागी जो उस समय ऑल इण्डिया काँग्रेस कमिटी के सदस्य थे और तब पं. जवाहर लाल नेहरु उसके सेक्रेटरी थे) इस प्रस्ताव के पास हो जाने की आशा है,कितने वोट मिलेंगे ? तब मैंने (महावीर त्यागी) कहा- दो वोट तो पक्के हैं । पास हो या न हो, कम से कम यह तो रेकार्ड पर आ जावेगा कि काँग्रेस के अध्यक्ष (मौ. मोहम्द अली) की तकरीर पर कुछ लोगों को आपत्ति थी । तब महात्मा जी बोले- " ऐसी बात को लाने से काँग्रेस का रेकार्ड अच्छा होने के वजाय और काला बनेगा, हिन्दु मुसलमान को साथ रखना है तो दूसरे के खोट को निभाना पड़ेगा । तुम जानते हो मित्रता किसे कहते हैं? मैंने (त्यागी जी) कहा एक-दूसरे को प्यार करने को मित्रता कहते हैं । बापू ने कहा- नहीं यह तो बदमाशी है । मित्रता का अर्थ तो एक दूसरे के खोट को निभाना है, जो ऐसा नहीं करता वह मित्र नहीं, यह प्रस्ताव ठीक नहीं । " इस तरह उस प्रस्ताव को आगे नहीं आने दिया और यह समझाया गया कि इस प्रस्ताव के आने से हिन्दु-मुस्लिम में दंगा बढ़ जायेगा ।

इस प्रस्ताव को रखने के लिये श्री नरदेव शास्त्री भी सहमत थे । लेखक के

साथ श्री नरदेव शास्त्री एक आर्य विचारधारा के व्यक्ति थे । वे समझते थे कि अध्यक्ष मौ. मोहम्द का म. गाँधी पर ऐसा घिनौना आरोप लगाना उचित नहीं है, इससे हिन्दुओं को नीचा दिखाना सा है । हो सकता है मौलाना का ध्येय भी ऐसा कहकर हिन्दुओं को भड़काना ही रहा हो पर गाँधी जी में अपने ऊपर आये आरोप का सामना करने की हिम्मत नहीं आयी । वो प्रस्ताव का खुलकर सामना करते और उसका मुंहतोड़ जबाब देते तो हिन्दुओं का सीना चौड़ा होता और शायद मुसलमानों में भी सही संदेश जाता कि गाँधी सही हैं । गाँधी जी द्वारा वह प्रस्ताव को आगे न आने देना तो संदेह जनक प्रश्न खड़ा करता है और गाँधी जी की आत्मिक कमजोरी ही प्रकट होती है । गाँधी जी तो हिन्दुओं की ओर से श्रेष्ठ नेता जाने जाते थे पर मुसलमानों को खुश रखने के लिये उनके खोट/गाली भी सहन करते थे जो हिन्दुओं की शान को कम कर रहा था । यहाँ अगर स्वामी श्रद्धानन्द या लाला लाजपत राय या कोई अन्य महर्षि दयानन्द का दिवाना होता तो काँग्रेस अध्यक्ष मौ. मोहम्द अली द्वारा लगाया गया यह घिनौने आरोप का डटकर सामना करता और अपने उत्तम चरित्र को सिद्धकर हिन्दु-मुसलमान सबके वीच अपने को सम्मानित करता । ऐसे थे कमजोर गाँधी जो नेहरु और मुस्लिम की दासता से कभी बाहर निकल न सके । शायद इसी दासता ने उन्हें बापू/राष्ट्रपिता की टोपी पहनायी हो । वेशक कोई उन्हें राष्ट्रपिता कहे पर राष्ट्रप्रेम, स्वदेशगरिमा, स्ववस्तुप्रयोग, स्वभाषाभिमान व स्वसंस्कृति का अमर चेतना भरकर भारतीय लोगों में अंग्रेजों से लड़ने वा आजादी की विगुल बजाकर उसपर आगे बढ़ने की आवाज तो सर्वप्रथम १८५५ से ही महर्षि दयानन्द ने शुरु कर दी थी । उन्हीं की दे गयी चेतनाओं के आधार पर १९४७ की आजादी भी हासिल की गयी । तो सच में महर्षि दयानन्द तो "राष्ट्रपितामह " थे जिनके राह पर लाला लाजपत राय, स्वामी श्रद्धानन्द , भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद, रामप्रसाद विस्मिल , भाई परमानन्द आदि तमाम आर्य नेता चलते रहे और इस लड़ाई में अपने लगभग ८०प्रतिशत सहभागिता दर्ज करायी । गाँधी जी तो हिन्दुओं को सत्य और अहिंसा के उपदेशों से ही संतुष्ट रखने में व्यस्त रहे । चाहे हिन्दु जगत का कितना भी नुकशान क्यों न हो जाये । धर्मान्ध मुसलमानों का तुष्टिकरण और हिंदुभाइयों को सत्य व अहिंसा का उपदेश और स्वयं के शिर पर राष्ट्रपिता की टोपी यही गाँधी जी की शान थी । सच देखा जाये तो उस समय काँग्रेस में

हिन्दुओं को अगर कोई न्याय दिलाने के लिये सदैव तत्पर जो रहते थे वे थे भारत के प्रथम राष्ट्रपति महामहीम डॉ. राजेन्द्र प्रसाद । यही गुण उन्हें प्रथम राष्ट्रपति बनने का अधिकारी बनाया ।

सत्य देश-भक्ति- सरदार पटेल के बड़े भाई बिट्ठल भाई की मृत्यु भी लन्दन में ही हुई । उनसे भी अंतिम क्षण में अंतिम इच्छा पूछी गयी तो उनका उत्तर मिला कि मेरी लाश मेरी प्यारी मातृभूमि भारत में ले जाकर अगर न जलाई जा सके तो कम से कम मेरी राख यहाँ से ले जाकर भारत के गंगायमुना में प्रवाहित कर देना जिससे मैं अपनी जन्मभूमि में मिलकर सुखशान्ति प्राप्त कर सकूँ । इसी तरह की भावना श्री श्याम जी कृष्ण वर्मा की भी थी जो अपने देश की गरिमा बनाये रखने में महान थी जिनका विस्तार हम उनके देशभक्ति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये पढ़ेंगे ।

देश की शिक्षा व सत्य संस्कृति के विकास के लिये स्वामी श्रद्धानन्द ने हरिद्वार में गंगा तट पर एक गुरुकुल बनाया था । यद्यपि वह एकवार बाढ़ में बह गया था फिर उसकी ही पहचान आज भी हरिद्वार की काँगड़ी स्थान पर पूर्ण विकसित बटवृक्ष की भाँति विश्वविद्यालय बना खड़ा है जो विश्व के लोगों को वैदिक आर्य व भारत की मूल संस्कृति की रक्षा करता हुआ वेद व विज्ञान से ओतप्रोत शिक्षाओं का केन्द्र है । यह संस्था निश्चित ही उनकी अपूर्व देन थी जो आज भी है । इसका विस्तार आगी भी यत्र तत्र आप पढ़ेंगे ।

इनके साथ ही देवता स्वरुप भाई परमानन्द जिनका सम्पर्क ईंगलैंड में भारतीयों का क्रान्तिकारी नेता श्याम जी कृष्ण वर्मा से भी हुआ और जिन्हें उत्साह व प्रेरणा मिली , पं. इन्द्र विद्यावाचस्पति, पंजाब के आर्य नेता महाशय कृष्ण, महाशय वीरेन्द्र, महाशय रत्नचन्द , सरदार भगत सिंह जिनके दादा सरदार अर्जुन सिंह स्वयं लाला लाजपत राय के स्वदेशीय स्वाधीनता की लड़ाई में योजनाओं के सहगामी थे , इस तरह इन सब क्रान्तिकारियों के साथ सारा आर्यजगत पूर्णरुप से सक्रिय था । तभी तो इतिहासकार के अनुसार ७०-८० प्रतिशत आर्य नेता व आर्य समाजी जनता समय समय पर जेल की यातनाओं से भी कमजोर न पड़े । आर्य समाज का इतिहास भाग२ के पृ. १११ प्रकाशित इस प्रबल समर्थनात्मक शब्दों को देखें-

“ इतिहास के इन ज्वलन्त प्रमाणों की उपस्थिति में जो यद्यपि स्थालीपुलकन्याय से लिखे गये हैं अपनी ओर से और अधिक कुछ कहना पुस्तक का कलेवर बढ़ाना मात्र होगा । जब देश की स्वाधीनता के लिये ये आर्यवीर ब्रिटिश सरकार की नारकीय जेलों में दु:खड़े झेल रहे थे तब अखिल भारतीय काँग्रेस कमिटी ने सबकी जाँच के लिये पं. मोती लाल नेहरु को नियुक्त किया । देश की सारी जेलों के निरीक्षण के पश्चात् उन्होंने कमिटी के सामने अपनी जो रिपोर्ट उपस्थित की थी उसमें आर्य समाज के सम्बन्ध में लिखा था जिसका आशय यह था कि आज म. गाँधी के आदेशानुसार स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये जेल के सिकंजों में बन्द बैठे जो सत्याग्रही कष्ट सह रहे हैं उनमें लगभग ७० प्रतिशत आर्य समाज की विचारधारा रखने वाले हैं । साथ ही जिन वकीलों ने अदालतोंम् का वहिष्कार किया है उनमें भी सबसे अधिक संख्या आर्य समाजियों की थी । पाठकवर्ग ! काँग्रेस के एक अद्वितीय तथा उच्च कोटि के नेता द्वारा आर्य समाज इस आन्दोलन में अधिक अंश तक असहमत हो गया था तो भी विचारभेद के कारण कोई आर्य समाजी सभी आन्दोलनों में त्याग व बलिदान से पीछे न हटा । काँग्रेस तथा गाँधी जी का मतभेद तथा ईमानदार आर्य समाजियों की घोर उपेक्षा होने के वावजूद भी “ आर्य समाजियों ने न केवल आरम्भिक वर्षों में अपितु अंतिम सफलता तक स्वाधीनता के संग्राम में आगे बढ़कर महत्त्वपूर्ण भाग लिया । ” परन्तु दु:ख की बात यह है कि स्वतंत्र होने पर अपनी सरकार के होते हुये भी जब लेखकों की लेखनियाँ भारतीय स्वाधीनता संग्राम का उल्लेख करती हैं तब उस प्रकरण में आर्य समाज के इन प्रशंसनीय तथा साहसिक तप, त्याग व बलिदानों की चर्चा तक भी नहीं होती । यह सरासर आर्य समाज की ओर अनदेखा है । अब तो वर्त्तमान सरकार जागे और इन आर्य समाज बलिदानियों की स्वतंत्रता संग्राम में दिये गये योगदान को समझे । इसका प्रमाण श्री पट्टाभि सीतारमैय्या द्वार लिखित काँग्रेस का इतिहास नामक पुस्तक में भी उपलब्ध है । श्री सीतारमैय्या स्वयं भी उस समय में काँग्रेस के उच्च पद पर रहकर कार्यशील थे जिन्होंने अपनी खुली आँखों से आर्य समाजी नेताओं व आर्य जनताओं का योगदान देखा था । उनके अनुसार भी लगभग ८० प्रतिशत आर्य जनता भारतीय स्वाधीनता संग्राम में डटे पाये गये । उसी कड़ी में आगे श्याम जी कृष्ण वर्मा भी आते हैं जिनका उल्लेख आगे पठनीय है ।

Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information -

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months & Life membership is £500 paid once.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
  - Maharishi Dayanand Hall and Swami Shraddhanand Hall – Members and friends can hire hall for celebration of birthday etc, as long as you do not drink alcohol and eat meat. We ask for a donation to cover electricity, gas and cleaning expenses. Please call 0121 359 7727 to book your event.

Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £51
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £200
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £250
  - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £200

ALL THE QUOTED FEES INCLUDE CHARGES FOR THE PRIEST AS WELL.

Note – Arya Samaj policy – All fees for Sacraments and Cremation are paid within 7 days

ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

Statement of Financial Activities
for the Year Ended 31 March 2022

	Notes	2022 Unrestricted fund £	2021 Total funds £
INCOME AND ENDOWMENTS FROM			
Donations and legacies	2	26,491	27,136
Charitable activities	4		
HMRC Grant received		6,827	14,027
Investment income	3	247	246
Total		33,565	41,409
EXPENDITURE ON			
Charitable activities	5		
Repairs & Renewals		870	546
Cleaner		1,211	535
Water Rates		236	218
Light & Heat		1,193	7,659
Telephone Exp.		1,172	819
Print, Post & Stationary		1,741	449
Wages and national insurance		18,334	16,422
Insurance		2,187	2,070
Food & Drink		1,777	-
Sundry Cost		140	334
VVM, GMY and Charity Dinner Event		160	-
Aryan Voice publication		2,708	-
Independent Examiners Fee		1,560	480
Total		33,289	29,532
NET INCOME		276	11,877
RECONCILIATION OF FUNDS			
Total funds brought forward		1,254,931	1,243,054
TOTAL FUNDS CARRIED FORWARD		1,255,207	1,254,931

ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

Balance Sheet
31 March 2022

	Notes	2022 Unrestricted fund £	2021 Total funds £
FIXED ASSETS			
Tangible assets	10	1,183,152	1,154,465
CURRENT ASSETS			
Cash at bank and in hand		73,855	101,306
CREDITORS			
Amounts falling due within one year	11	(1,800)	(840)
NET CURRENT ASSETS		72,055	100,466
TOTAL ASSETS LESS CURRENT LIABILITIES		1,255,207	1,254,931
NET ASSETS		1,255,207	1,254,931
FUNDS	12		
Unrestricted funds		1,255,207	1,254,931
TOTAL FUNDS		1,255,207	1,254,931

Please note these details are PART of the overall accounts. Full set of accounts can be found on Charity Commission website from December 2022 or you can request from Arya Samaj Office.

Children's Corner

The Blue Jackal

A hungry jackal was wandering in a village in search of food. A group of dogs spotted him and chased him to attack him. The scared jackal somehow managed to run away from the dogs and entered a hut. He hid inside a tub which was filled with blue dye.

When he emerged from the tub, his body was dyed blue. He no longer looked like an ordinary jackal. The dogs were terrified when they spotted the blue jackal and ran away from him. Confused the jackal came back to the forest.

Even the animals in the forest were scared and ran away from him. The confused jackal went to the pond to drink water and saw his reflection. The jackal realized that all the animals feared him because of his colour. He then came up with a cunning plan to rule over the animals in the forest.

He approached the animals and said, “Friends, don’t be afraid of me! God has sent me to protect you. I am your new king. Thus, you must follow my command.”

The jackal allotted all animals specific duties. Small animals would cater to his general needs, whereas lions and tigers would hunt for prey. He fooled the animals for a long time. But one day, he heard a pack of jackals howling at a distance while he was surrounded by other animals. Out of habit and natural instinct, he started howling like those jackals.

Everybody realized that he was a mere jackal and had fooled them all along. The jackal realized his mistake, but it was too late. The furious animals surrounded him and punished him severely.

Moral: It is difficult to hide one’s nature for a long time.

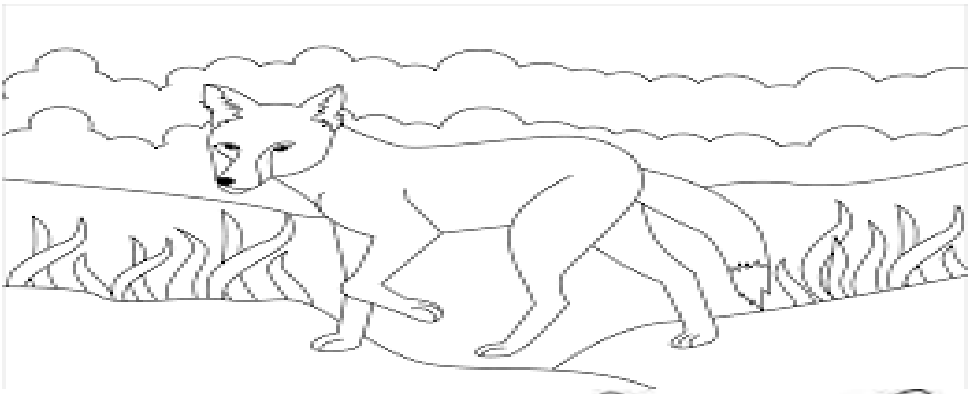

GAYATRI MANTRA

OM BHURBHUVAH SVAH
TATSAVITURVARENYAM
BHARGO DEVASYA DHEEMAHI
DHIYO YO NAH PRACHODAYAAT.

Meaning of Gayatri Mantra: -

- **(OM)** IS THE MAIN NAME OF ALMIGHTY GOD WHICH INCLUDES ALL OTHER NAMES OF GOD.
- **(BHUH)** HE IS LIFE OF LIFE.
- **(BHUVAH)** HE IS THE PROTECTOR FROM ALL THE PAINS.
- **(SWAH)** HE IS ALL BLISS AND GIVER OF ALL BLISS TO HIS DEVOTEES
- **(SAVITUH)** HE IS CREATOR OF ALL UNIVERSE, THE ILLUMINATOR OF ALL THE LUMINOUS BODIES LIKE SUN ETC. THE GIVER OF ALL WISDOM AND WEALTH
- **(DEVASYA)** WE ESTABLISH HIM IN OUR HEART AS MOST DESIRABLE AND VICTORIUS
- **(VARENYAM)** MOST SUPERIOR TO ACCEPT AND MEDITATE.
- **(BHARGAH)** HE BURNS ALL PAINS AND IS HOLY, SACRED AND PURE BY NATURE.
- **(TAT)** TO THAT ALMIGHTY GOD
- **(DHEMAHI)** WE SHOULD ACCEPT AND HOLD.
- **(YAH)** THAT ALMIGHT GOD
- **(NAH)** OUR
- **(DHIYAH)** MIND IN BEST ATTRIBUTES, DEED AND NATURE (HABBIT & TEMPERAMENT).
- **(PRACHODAYAT)** INSPIRE US.

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE and after 6pm on weekdays.

Congratulations

- Mr Varun & Mrs Adity Rohilla - for 1st Birthday of their son Omav on Saturday 8th October 2022. Wishing Omav a happy and healthy life.
- Mrs Vyanjana Trivedi and Family – for Wedding ceremony of her daughter Anuja to Samuel on Saturday 15th October 2022. Wishing them both a happy married life.

Havan:

- Mr Sujeet Kumar and Family – Havan on Sunday 9th October 2022 for good health & happiness. Wishing them happiness and good health.
- Mr Suman Kumar and Family – Havan on Sunday 16th October 2022 for 1st death anniversary of his beloved mother Mrs Reshami Kumari Mendirata. We pray to Almighty God to give Sadgati to her soul and strength to the family to cope with their loss.
- Mr Partap & Mrs Seema Hirani – Havan on Saturday 22nd October 2022 for Gri Suddhi. Wishing them happiness & prosperity in their home.

- Mr Sanjeev Mahandru – Havan on Wednesday 26th October 2022 for peace & happiness in business. Wishing him success & happiness.

Donations:

- Mr Varun Rohilla £200
- Mr Suman Kumar £121
- Mrs Adity Rohilla £50
- Mr Aman Oberai £20
- Mr Sukhdev Oberrai £20
- Mr Ravinder Renukunta £10
- Daan Patra £35

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- Mrs Vyanjana Trivedi £400
- Mr Partap Hirani £101
- Mr Sanjeev Mahandru £51
- Mr Varun Rohilla £51
- Mr Sujeet Kumar £51

G.M.Y

- Mr Varinder Bahal £51

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences, on different occasions Or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.

Thank you for all your donations we are very grateful!

EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

Name	Amount
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£2000
Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi	£1100
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£1001
Mrs Rama Joshi	£1001
Mr Ramesh Chandra Patel	£1001
Mr Ashok Kumar Patel	£1000
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£1000
Dr Saroj Adlakha	£1000
Dr & Mrs Shail Agarwal	£1000
Mrs S Bhandari	£1000
Mr Ved Parkash Rawal	£1000
Dr Vijay and Mrs Archna Bathla	£1000
Dr Anil and Mrs Urvind Kohli	£1000
Dr Narendra Patel	£501
Mr Swaraj and Vijay Kumar	£301
Anonymous	£201
Dr Satya Vrat Sharma	£200
Mr Vinod Gulati	£200
Mrs Usha Khosla	£151
Mrs Suraksh Soni	£125
Mr Surinder Julka	£101
Dr Smita Mehra	£101
Dr Chetan Varma	£101
Mr Krishan Khurana	£101
Ms Anita Rastogi	£101
Mr Raj Joye	£101
Mr Ashok Panday	£101
Mr Parimal Somani	£101
Mrs Nirmal Prinja	£100
Mr Ashok & Mrs Sunita Bakshi	£100

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Mrs Kanti Bajaj and Family	£250	Yearly
Mr V.P Rawal	£121	Yearly
Mr Parimal Somani	£120	Yearly
Mrs Brij Bala Duggal	£120	Yearly
Dr Vivek Gulati	£101	Yearly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Dr Chetan Varma	£30	Monthly
Dr P.D. Gupta	£21	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mr Varinder Bahal	£15	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Mr Vinod Gulati	£10	Monthly
Mr Alok Yadav	£10	Monthly
Mr Jatender Vatta	£10	Monthly
Mr Madan Mohan Sharma	£10	Monthly
Mr Ravinder Renukunta	£10	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Mr Medharthee Rathore Arya	£10	Monthly
Dr M D Agarwal	£10	Monthly
Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr Rajive Bali	£10	Monthly
Mr P Puttyah	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Krishan Chand Talwar	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi	£8.50	Monthly
Mr Vipul Mistry	£5.25	Monthly
Mr Amit Khanna	£5.00	Monthly
Mr Vijay Kumar	£5	Monthly

Weekly services details

Please share with family & friends

Tuesday Bhangra and Fitness Class – only at Bhavan

Time: 6:30pm – 7.30pm

CANCELLED – We hope to start again soon

Wednesday Day Centre – only at Bhavan

Time: 12pm – 3pm

Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 12pm. Emphasis is on keeping healthy and fit with yog and Pranayam. We will offer Tea/Coffee and biscuits free of cost. Those members who would like to have Lunch, we will try to provide lunch at the cost charged by caterer to us.

Wednesday Sanskrit Learning – via zoom only

Time: 8:00pm – 9pm

Every week from Wednesday 7th September 2022, until December 28th 2022. New ID will be sent out in January 2023

Join Zoom Meeting
https://us06web.zoom.us/j/89791829083?pwd=bDlNUXFkMjRIZmViMW9WdnM2OUNqQT09

Meeting ID: 897 9182 9083 **Passcode: Vedic3**

Sunday Yog Class – only at Bhavan

Time: 9:00am – 11am

Please join Amrik Singh Virdi (YOG Teacher) every Sunday 9am to 11am for Yog and fitness class. Amrik has been a yog teacher since 2012. This is a free class and everyone is welcome.

Please bring your own mat and water bottle. Full support will be given with all exercises in a friendly environment. Learn self management massage techniques, Ayurveda Treatments, and much more.

Sunday Havan and Satsang

Time: 11:00am – 1pm - followed by Rishi Langer

Every week from Sunday 4th September 2022, until December 25th, 2022. New ID will be sent out in January 2023

Join Zoom Meeting
https://us06web.zoom.us/j/89350585747?pwd=OWJIdldqbXB6MUpEWEczMXMvajJTZz09

Meeting ID: 893 5058 5747 **Passcode: Havan3**

If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted, please inform the office.

0121 359 7727

Member or non-member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj.
Please call 0121 359 7727

If you are not having any symptom of Covid-19, we request you to start attending Sunday Congregation, Yog Class & other events we will hold this year at Arya Samaj Bhavan. But for the benefit of those members who can not come to Bhavan we will continue providing our services on Zoom.

We need more of our members to donate monthly/yearly.

We need to expand our list of generous monthly/yearly donors list to financially support our Arya Samaj in future.

At present we are receiving about £300 of regular donations every month.

We need to increase to £1000 a month at least in near future.

About 25 of our members are already donating regularly. We are grateful to them and thank them for their generosity.

Please get in touch with Arya Samaj office or donate directly into Arya Samaj Bank account as below by setting up a monthly standing order.

Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number – 65839135
Sort Code – 08.92.99

Once you have donated online, please let us know by email or phone.

Your help is highly appreciated.

Thank you.

Kind Regards

Dr. Narendra Kumar
Chairman

YOUR ARYA SAMAJ IS HERE TO HELP IN "YOUR HOUR OF NEED"

Dear members

Due to Covid-19 Pandemic and other issues, some of us have been going through all kinds of problems.

Your Arya Samaj is here to help you in your hour of need.

Please get in touch with us. Our Acharya ji, Shri Umesh Yadav, is a resident priest and lives in our Arya Samaj Bhavan.

You can contact him by phoning on 0121 3597727 or emailing on enquiries@arya-samaj.org

If Acharya Ji is not available to answer your phone, please leave a message with your full name, telephone number and briefly about your problem. It will be answered soon.

Please do not suffer alone. Talk to us. We exist to support our members and friends, especially when they are in any kind of trouble.

So please remember us in "Your Hour of Need".

Thank you.

Kind Regards

Dr Narendra Kumar

FOOD/CASH COLLECTION

We are collecting Non-perishable foods or cash for the children at our local school. (Rookery School). This will be on going to support our community.

Example of non-perishable foods –

- Canned proteins such as peanut butter, peanuts etc.
- Grains (pasta, whole wheat pasta, rice, brown rice, macaroni and cheese)
- Condiments (salt; sugar (brown), jam, honey, olive or canola oil)
- Canned fruit in juice, not in light or heavy syrup
- Low sodium/ No salt added canned vegetables (mixed, green beans, corn)
- Beans: black, pink, kidney, etc.
- Low-sodium soups (E.g., Tomato)
- Multigrain cereal (Cheerios, Corn Flakes etc.)
- Shelf stable milk, milk substitutes and juice
- low-sodium pasta sauce
- popcorn kernels (not microwave popcorn)
- canned tomatoes
- Longer life crips and biscuits

Cash – We will ask the school what is needed and supply from your donation. (e.g., toiletries, sponsor clubs etc). No cash is directly given to the school.

Those of you that would like to donate food for this 4th collection, please bring food bags or give cash to Arya Samaj or call the office 0121 359 7727.

Donate Now:

Arya Samaj (Vedic Mission)
West Midlands
321 Rookery Road
Handsworth
Birmingham, B21 9PR

Please donate by Monday 1st December 2022.

Thank you.